फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 64 प्रभात जयपुर, रविवार 4 अक्टूबर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro



Is Another Mahabharata Due?

"We'll see what happens." (Donald Trump, on almost everything)

Know the power of your brow

The Saint Who Answered Power with Bhakti

For followers of the Varkari tradition, Sant Namdev Maharaj is not just a historical figure but a living presence in devotion

जब एआई के झूठ के कारण अमेरिका-चीन युद्ध होते-होते रह गया

सीएनएन की रिपोर्ट ने दावा किया कि जब अमेरिका-ईरान युद्ध चरम पर था, तब एआई ने चीन के एक जहाज में परमाणु हथियार की झूठी सूचना दी थी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर। इस साल की शुरुआत में जब अमेरिका-ईरान युद्ध चरम पर था, तब एआई से तैयार एक खुफिया रिपोर्ट ने अमेरिका और चीन को युद्ध के कगार पर ला दिया था। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सैन्य बल मध्य पूर्व में एक चीनी जहाज पर चढ़कर उसकी तलाशी लेने के बेहद करीब पहुंच गए थे। खुफिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि जहाज पर परमाणु हथियार कार्यक्रम के लिए जरूरी सामग्री ले जाई जा रही थी। सशस्त्र जवान जहाज पर चढ़ने की तैयारी कर रहे थे। सैन्य विमान पहले ही हवा में थे। लक्ष्य की पहचान हो चुकी थी और अभियान को अमल में लाने की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे थे।

- रिपोर्ट ने दावा किया है कि उक्त इंटैलिजैंस रिपोर्ट यूएस स्पेशल ऑपरेशन्स कमांड पैसिफिक के एक विशेषज्ञ ने चैट बॉट की मदद से बनाई थी। चैट बॉट ने चीन के जहाज में लदे सामान की गलत पहचान की और बताया कि इसमें परमाणु हथियार से संबंधित सामग्री है।
- उक्त विश्लेषक ने यह गोपनीय रिपोर्ट सेना को भेज दी और अमेरिकी सेना ने चीन के जहाज पर रेड करने की पूरी तैयारी कर ली, पर, वे कुछ करते इससे कुछ समय पहले ही पता लगा कि चैट बॉट ने गलती की है, वरना दो परमाणु महाशक्तियां भिड़ जातीं।
- दुनियाभर में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है और एआई द्वारा गलत जानकारी देने का खतरा भी बढ़ रहा है, क्योंकि एआई की गलत जानकारी के आधार पर अगर कोई कदम उठाया जाए तो वह भारी विनाश ला सकता है।

तभी एक चौंकाने वाली बात सामने आई कि खुफिया जानकारी गलत थी और इसे तैयार करने में आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस (एआई) की मदद ली गई थी।

सीएनएन द्वारा उद्धृत सूत्रों के अनुसार, यह रिपोर्ट अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशंस कमांड पैसिफिक से जुड़े एक विश्लेषक ने तैयार की थी। विश्लेषक ने जहाज के मैनिफेस्ट से जुड़ी खुफिया जानकारी का विश्लेषण करने के लिए एक चैटबॉट का इस्तेमाल किया था। सिस्टम ने जहाज पर मौजूद सामान की गलत पहचान कर ली और संभवत: पूरे विश्वास के साथ एक गलत निष्कर्ष दे दिया। इसके बाद विश्लेषक ने एआई का दोबारा इस्तेमाल कर इन निष्कर्षों को एक सामान्य खुफिया रिपोर्ट का रूप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'विधायक के जाति प्रमाण पत्र पर जाँच समिति तीन माह में फैसला दे'

जयपुर, 3 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जिले के केशोरायपाटन विधानसभा के एमएलए चुन्नीलाल बैरवा के खिलाफ फर्जी जाति प्रमाण पत्र के मामले में कहा कि इस संबंध में गठित की गई राज्य स्तरीय जांच समिति लंबित

- हाई कोर्ट ने केशोरायपाटन विधायक चुन्नीलाल बैरवा के खिलाफ कथित फर्ज़ी जाति प्रमाण पत्र पर राज्यस्तरीय जाँच समिति को निर्देश दिए।

अपील पर तीन माह में फैसला करे। जस्टिस आनंद शर्मा ने ये आदेश पूर्व एमएलए चंद्रकांता मेघवाल की याचिका को निस्तारित करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता प्रदीप सिंह निर्वाण ने बताया कि याचिकाकर्ता ने एमएलए चुन्नीलाल बैरवा पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनाने का आरोप लगाते हुए बूंदी की जिला स्तरीय छानबीन समिति से शिकायत की थी। जिला स्तरीय समिति ने उसकी शिकायत 6 मई 2024 को खारिज कर दी। इस पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

12 आईएएस के वेतन से रिकवरी और आपराधिक मामला दर्ज करने पर रोक

रोडवेज़ कर्मचारी के बकाया ओवरटाइम भुगतान के प्रकरण में लेबर कोर्ट ने पारित किए थे यह आदेश, जिस पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 3 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर श्रम न्यायालय क्रम-1 के उस आदेश पर रोक लगाई है, जिसमें एक रोडवेज कर्मचारी के बकाया भुगतान विवाद में 12 आईएएस अफसरों के वेतन से रिकवरी करने और उनके खिलाफ "हत्या की कोशिश" (आईपीसी की धारा-307) का मामला दर्ज करने के आदेश दिए थे। न्यायाधीश अनूप ढंढ ने इस संदर्भ में आईएएस अफसरों द्वारा दायर 22 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए श्रम न्यायालय द्वारा 3 सितंबर 2026 को जारी आदेशों पर रोक लगा दी है। इस मामले में याचिकाकर्ता आईएएस अधिकारियों की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद व उनकी सहायक वकील हर्षिता ठकराल, राजपाल धनखड़ पैरवी के लिए पेश हुए थे।

- इस विवादित आदेश को चुनौती देने वाले आईएएस अफसरों की 22 याचिकाओं पर हाईकोर्ट ने एक साथ सुनवाई की

उल्लेखनीय है कि राजस्थान रोडवेज के एक कंडक्टर ने साल 1996 से 2013 के बीच घोषित साप्ताहिक अवकाश (वीकली ऑफ) के दिनों में किए गए 124 दिनों के काम के लिए बकाया दुगुने ओवरटाइम भुगतान की मांग लेबर कोर्ट में की थी। इस पर लेबर कोर्ट ने 30 जून 2026 को आदेश दिया, जिसमें मूल राशि 1 लाख 9 हजार 740 रुपए ब्याज और मुकदमे के खर्च सहित तय की गई थी। जबकि राजस्थान रोडवेज ने कंडक्टर को केवल 13076 रुपए का आंशिक भुगतान किया था। ऐसे ही कुछ और मामले भी लेबर कोर्ट में लंबित थे।

बताया जा रहा है कि लेबर कोर्ट के जज दिनेश गुप्ता ने वर्ष 1993 तक के मामलों में जहां ओवर टाइम के लंबित प्रकरणों को सुनवाई के लिए ले लिया, वर्ष 2003 से अभी तक रोडवेज में कार्यरत रहे प्रबंध निदेशक व चेयरमैनों को नोटिस जारी किए।

लेबर कोर्ट ने अगस्त माह में एक आदेश दिया, जिसमें तत्कालीन रोडवेज के प्रबंध निदेशक रहे संदीप वर्मा व पुरूषोत्तम शर्मा का वेतन रोकने और उनके वेतन से राशि कटौती करके रोडवेजकर्मी के बकाया भुगतान के आदेश दे दिये। इसके बाद जज दिनेश गुप्ता ने अन्य मामलों में भी सुनवाई करते हुए, लगातार ऐसे आदेशों की झड़ी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सपा को साधने के लिए आराधना मिश्रा को यूपी की कमान सौंपी है कांग्रेस ने?

आराधना मिश्रा का सबसे बड़ा टास्क सपा के साथ सीटों के बंटवारे पर वार्ता करना और ज्यादा सीटें हासिल करना है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में अपने हालिया संगठनात्मक बदलाव के जरिए अलग-अलग जातीय समूहों को साधने की कोशिश की है। इसी बदलाव के तहत राज्य इकाई के लिए नया अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया है। कांग्रेस की नई उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अराधना मिश्रा उर्फ मोना लगभग छह महीने बाद होने वाले चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति में एक अहम चेहरा बनकर सामने आई हैं। पार्टी ने कई नियुक्तियों के जरिए एक

- यूपी की नई प्रदेश कांग्रस अध्यक्ष आराधना मिश्रा उर्फ मोना सांसद प्रमोद तिवारी की बेटी हैं, इससे कांग्रेस को महिला व ब्राह्मण वोट बैंक को रिझाने में मदद मिलेगी।

साथ कई लक्ष्य हासिल करने की कोशिश की है। अराधना मिश्रा दो बड़े वोट बैंकों, महिला और ब्राह्मणों का प्रतिनिधित्व करती हैं और समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव के साथ उनके अच्छे संबंध हैं।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी की बेटी, आराधना मिश्रा के सामने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अखिलेश यादव की पार्टी के साथ सीटों के बंटवारे पर बातचीत आगे बढ़ाने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। कांग्रेस ज्यादा सीटें चाहती है, जबकि समाजवादी पार्टी पीछे हटने को तैयार नहीं है। उसका कहना है कि भाजपा को रोकने के लिए उसकी स्थिति ज्यादा मजबूत है। दोनों पार्टियों के कुछ नेताओं की आपसी बयानबाजी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीजेपी जंतर-मंतर पर 10 अक्टूबर को बड़ा प्रदर्शन करेगी

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया तत्काल रोकने की मांग को लेकर जारी गतिरोध के बीच कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने आंदोलन तेज करने की घोषणा की है।

- अभिजीत दीपके ने कहा कि पुलिस हमें जहां रोकेगी, वहीं हमारा जंतर-मंतर बन जायेगा।

पार्टी का कहना है कि उसकी मांग पूरी नहीं होने पर 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर पार्टी की तरफ से व्यापक प्रदर्शन किया जाएगा।

सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने एक्स पर लिखा, "अगर ज्ञानेश कुमार इस्तीफ़ा नहीं देते हैं तो 10 अक्टूबर को पूरे देश से कॉकरोच दिल्ली के जंतर-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ड्रोन सेना का हिस्सा हैं, पर पृथक ड्रोन फोर्स की जरूरत नही है'

एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने पृथक ड्रोन सेना के विचार से असहमति जताई, लेकिन माना कि एयर फोर्स में ड्रोन की तादाद तेजी से बढ़ रही है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर। भारतीय वायुसेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने एक अलग ड्रोन फोर्स बनाने की संभावना से इनकार किया है, जबकि, वायुसेना मानवरहित सिस्टम (अनमैन्ड सिस्टम्स) का विस्तार कर रही है और फाइटर जैट्स की घटती संख्या की चुनौती का सामना कर रही है। उनका कहना है कि ड्रोन को अलग बल बनाने के बजाय, मौजूदा फोर्स के भीतर ही विमानों और अन्य हथियारों के साथ काम करना चाहिए। वायुसेना अब तेजस लड़ाकू विमानों और भविष्य के कॉम्बैट प्लेटफॉर्म्स को तेजी से शामिल करने पर भी जोर दे रही है।

भारतीय वायुसेना में और अधिक ड्रोन और लक्ष्य पर हमला करने वाले घूमते हुए हथियार (लॉइटरिंग

- उन्होंने कहा कि ड्रोन भारतीय वायु सेना के लिए क्रांति नहीं, बल्कि क्रमिक विकास का हिस्सा हैं। ये अन्य हथियार प्रणाली की तरह ही हैं।
- उन्होंने कहा, एयर फोर्स के पास "अनमैन्ड सिस्टम्स" को हैंडल करने वाली यूनिट्स हैं, जरूरत पड़ने पर इसे बढ़ाया जा सकता है।

म्युनिशन्स) शामिल किए जा रहे हैं। लेकिन एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि उन्हें मौजूदा कमांड व्यवस्था के अंदर ही रखा जाना चाहिए।

नई दिल्ली में वायुसेना की वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिंह ने कहा, "भारतीय वायुसेना के लिए ड्रोन कोई क्रांतिकारी बदलाव नहीं हैं, बल्कि क्रमिक विकास हैं। हम ड्रोन और लॉइटरिंग म्यूनिशन्स की संख्या बढ़ा रहे हैं। क्या हमें एक अलग ड्रोन फोर्स की जरूरत है? मुझे ऐसा नहीं लगता। उन्हें इसी व्यवस्था का हिस्सा होना चाहिए और हमें मिलकर काम करना होगा।"

उन्होंने कहा कि वायुसेना चाहती है कि ड्रोन, विमान और दूसरे हथियार एक ही सिस्टम के रूप में काम करें। उन्होंने कहा, "इन सभी को दूसरे हथियारों के साथ मिलकर काम करना चाहिए, ताकि वे वांछित प्रभाव पैदा कर सकें। हम ऐसा नहीं कर सकते कि एक तरह का हथियार कहीं अलग काम करे और दूसरी तरह के हथियार का कहीं अलग इस्तेमाल किया जाए। इसलिए हमने अलग ड्रोन बल बनाने के बारे में नहीं सोचा है।"

भारतीय वायुसेना के पास पहले से ही मानवरहित सिस्टम को संभालने वाली स्पैशलिस्ट यूनिट्स हैं और जरूरत पड़ने पर ऐसी और इकाइयां बनाई जा सकती हैं। सिंह ने युद्ध (कॉम्बैट) में इनके इस्तेमाल की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, "लक्ष्य पर हमला करने वाले घूमते हुए हथियारों (लॉइटरिंग म्यूनिशन्स) ने अफरा-तफरी पैदा करने और कुछ एयर डिफैंस एसैट्स को नष्ट करने में हमारी मदद की।"

यह नीति पोखरण में हाल ही में हुए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दुबई के क्राउन प्रिंस कैप्टन स्मित से मिले

दुबई, 03 अक्टूबर। दुबई के क्राउन प्रिंस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उपप्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री हमदान बिन मोहम्मद ने शनिवार को अस्पताल में भर्ती फ्लाईदुबई के कैप्टन स्मित मच्छार से मुलाकात की। कैप्टन स्मित ने यात्रियों से भरे विमान में आतंकी हमले के प्रयास को विफल करने में मुख्य भूमिका निभाई थी।

हमदान बिन मोहम्मद ने सोशल

- उन्होंने पायलट की बहादुरी व जिम्मेदारी की सराहना की।

मीडिया मंच 'एक्स' पर पायलट की बहादुरी और जिम्मेदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि मच्छार ने साहस, जिम्मेदारी और मानव जीवन के प्रति संवेदनशीलता की उच्चतम मिसाल पेश की।

क्राउन प्रिंस ने कहा कि यूएई के नेतृत्व और जनता की ओर से पायलट के प्रयासों के लिए उन्हें पूरा सम्मान और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हॉकी की चैंपियन्स ट्रॉफी (1985) में आखिरी 6 मिनट में चार गोल कर भारत को हारा हुआ मैच जिताया था परगट सिंह ने

क्या वे पंजाब में भी यही करिश्मा कर कांग्रेस को शानदार जीत दिला पाएंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर। कांग्रेस ने पंजाब में एक नए कप्तान के साथ अपनी जंग शुरू कर दी है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या परगट सिंह जीत का गोल कर पाएंगे या पार्टी को ही एक गोल गंवाना पड़ेगा?

परगट सिंह का चयन अपने साथ खेलों का ऐसा इतिहास लेकर आया है, जो लगभग एक राजनीतिक रूपक जैसा लगता है।

वर्ष 1985 हॉकी की चैंपियंस ट्रॉफी को याद कीजिए। पर्थ में जर्मनी के खिलाफ भारत 1-5 से पीछे था, तभी सेंटर-फॉरवर्ड परगट सिंह ने अपने 'डी' से गेंद उठाई, ड्रिबल करते हुए जर्मनी के 'डी' तक गए और गोल कर दिया। इसके बाद भारत ने महज छह मिनट में चार गोल दागकर मैच जीत लिया और परगट हीरो बनकर उभरे।

कराची में उन्होंने फिर यही कारनामा दोहराया और नीदरलैंड्स के खिलाफ गोल किया। सेंटर फॉरवर्ड के तौर पर यह भी उनका एक शानदार प्रदर्शन था। परगट 1992 और 1996 के ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने के साथ टीम के कप्तान भी रहे।

उनकी दूसरी पारी राजनीति में शुरू हुई। परगट सिंह अकाली दल में शामिल हुए, बाद में उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया और इसके बाद उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया। फिलहाल वे जालंधर कैंट से विधायक हैं।

- भारत के तथा दुनिया भर के हॉकी प्रेमियों को 1985 की चैंपियन्स ट्राफी का वह मैच याद है, जिसमें जर्मनी, भारत से 1-5 से आगे था, तभी सेंटर फॉरवर्ड परगट सिंह ने गेंद ली और आखिरी 6 मिनट में चार गोल कर दिए
- इसके बाद कराची में भी उन्होंने यही कारनामा दोहरा कर नीदरलैंड्स पर जीत दिलाई और फिर वे भारतीय हॉकी टीम के कप्तान भी बने।
- अब उन्हें पंजाब में कांग्रेस ने अपना कप्तान बनाया है, उनकी सबसे खास बात है कि वे किसी भी गुट के नहीं हैं। इसलिए वे सभी गुटों को एक साथ लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।
- परगट भारतीय हॉकी टीम के कप्तान रहे हैं और उन्हें पूरी टीम को साथ लेकर चलना आता है, देखना यह है कि उनका अनुभव राजनीतिक मैदान पर कितना काम आता है।

इसका जवाब इस बात में हो सकता है कि वे किसका प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं- यानी पंजाब में कांग्रेस के भीतर किसी खास गुट का नहीं।

पार्टी में कई गुट हैं। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का अपना ग्रुप है, जबकि पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजा वड़िंग, जिन्होंने चार साल तक प्रदेश इकाई की कमान संभाली, का भी अपना एक संगठनात्मक नेटवर्क था। लेकिन परगट सिंह बड़ी हद तक इन गुटीय समीकरणों से दूर रहे हैं।

ऐसे समय में यह बात बहुत महत्वपूर्ण हो सकती है, जब कांग्रेस अपने विभिन्न गुटों को एक साथ लाने की कोशिश कर रही है।

परगट सिंह पहले भी कप्तान रह चुके हैं। उन्होंने राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व किया है और अलग-अलग पृष्ठभूमि तथा अलग-अलग स्वभाव वाले और परस्पर प्रतिद्वंदी खिलाड़ियों को सँभाला है। पार्टी को आशा है कि वे अपने इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूक्रेन ने भारत के प्रस्ताव को सबसे अनुकूल बताया

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर। लगभग साढ़े चार साल से चल रहा रूस-यूक्रेन युद्ध अब संभवत: समाप्ति की ओर जा रहा है और पूरी संभावना है कि इसमें

- यूक्रेन के विदेश मंत्री ने कहा, भारत का प्रस्ताव सबसे व्यापक हैं। तुर्की और मिस्र का प्रस्ताव खाद्य से जुड़ा हुआ है। अमेरिका का प्रस्ताव सिर्फ ऊर्जा पर केन्द्रित है, जबकि भारत के प्रस्ताव में ऊर्जा व कालासागर भी शामिल हैं।

भारत की भूमिका सबसे अहम हो। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से भारत के पीएम नरेन्द्र मोदी के इस दिशा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)